Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 17 सितंबर, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-17-september-2020

राजेश खुल्लर

हरियाणा के वरिष्ठ IAS अधिकारी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के प्रधान सचिव राजेश खुल्लर को तीन वर्ष के लिये विश्व बैंक (World Bank) का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। कार्यकारी निदेशक के तौर पर राजेश खुल्लर विश्व बैंक में भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका का प्रतिनिधित्व करेंगे। ध्यातव्य है कि विश्व बैंक समूह में कुल 25 कार्यकारी निदेशक शामिल होते हैं जो कि किसी एक देश अथवा देशों के एक समूह क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। नियमों के मुताबिक इन कार्यकारी निदेशकों को या तो नियुक्त किया जाता है अथवा इनके लिये चुनाव होता है। वर्ष 1988 बैच के IAS अधिकारी राजेश खुल्लर लगभग पाँच वर्ष तक हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव रह चुके हैं। राजेश खुल्लर ने वर्ष 1984 में भौतिक विज्ञान (Physics) में पंजाब विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री हासिल की थी। भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के बाद से राजेश खुल्लर केंद्र और राज्य स्तर (हरियाणा) पर कई महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं, जिसमें वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव का पद भी शामिल है। विश्व बैंक संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी एक अहम संस्था है और यह कई संस्थाओं का समूह है। विश्व बैंक नीति सुधार कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिये ऋण देता है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष केवल नीति सुधार कार्यक्रमों के लिये ही ऋण देता है।

बैंकिंग विनियमन (संशोधन) विधेयक 2020

देश भर के सहकारी बैंकों की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए हाल ही में लोकसभा ने बैंकिंग विनियमन (संशोधन) विधेयक 2020 पारित किया है। इस विधेयक में बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 को संशोधित करने के प्रस्ताव किया गया है। इस नए विधेयक के माध्यम से केंद्र सरकार का लक्षय देश भर के सहकारी बैंकों को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के पर्यवेक्षण में लाना है। ध्यातव्य है कि सर्वप्रथम मार्च माह में इस विधेयक को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, किंतु उस समय महामारी के कारण यह पारित नहीं हो सका था, जिसके बाद जून माह में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश भर के 1,482 शहरी और 58 बहु-राज्य सहकारी बैंकों को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के सर्वेक्षण में लाने के लिये अध्यादेश को मंज़ूरी दी थी। इस विधेयक के प्रावधान प्राथमिक कृषि साख समितियों (PACS) या ऐसी सहकारी समितियों पर लागू नहीं होते हैं जिनका प्राथमिक उद्देश्य और प्रमुख व्यवसाय कृषि विकास के लिये दीर्घकालिक वित्त प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि महामारी के कारण सहकारी बैंकों में लगातार आर्थिक तनाव बढ़ रहा है और मार्च 2020 में देश के सहकारी बैंकों का सकल NPA अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो कि मार्च 2019 में लगभग 7.27 प्रतिशत पर था।

बिहार पी.सी.एस. अध्ययन सामग्री
सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा)
25 बुकलेट्स
Click Here

भारतीय संस्कृति की उत्पत्ति और विकास के अध्ययन हेतु विशेषज्ञ समिति

केंद्र सरकार ने लगभग 12,000 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति की उत्पत्ति और विकास पर अध्ययन करने के लिये एक 16 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। ध्यातव्य है कि इससे पूर्व वर्ष 2016 में भी इसी प्रकार की एक समिति का गठन किया गया था, किंतु वह समिति एक वर्ष की समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने में विफल रही थी। इस समिति का मुख्य उद्देश्य पुरातत्विक, खगोलीय और साहित्यिक साक्षय के माध्यम से भारतीय संस्कृति के बारे में पश्चिमी विद्वानों द्वारा बनाई गई गलत धारणाओं को समाप्त करना है। यद्यपि इस संबंध में कोई पुख्ता सबूत मौजूद नहीं हैं कि भारतीय संस्कृति 12,000 वर्ष पुरानी है, किंतु मेहरगढ़ (अब पाकिस्तान में) में पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त साक्षयों से यह तय हो गया है कि भारतीय सभ्यता की आयु तकरीबन 10,000 वर्ष पुरानी हो सकती है।

कपिला वात्स्यायन

16 सितंबर, 2020 को प्रसिद्ध कला विद्वान, लेखक और विशेषज्ञ कपिला वात्स्यायन का 92 वर्ष की उम्र में दिल्ली स्थित उनके घर पर निधन हो गया है। वर्ष 2011 में पद्म विभूषण से सम्मानित कपिला वात्स्यायन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की संस्थापक निदेशक थीं। कला इतिहास, वास्तुकला और भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुविख्यात विद्वान कपिला वात्स्यायन का जन्म वर्ष 1928 में नई दिल्ली में हुआ था और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में मास्टर की डिग्री प्राप्त की थी। कपिला वात्स्यायन ने अपने लंबे कैरियर में कला के विभिन्न रूपों और उनके इतिहास पर लगभग 20 किताबें लिखी थीं। वर्ष 1970 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी की फेलोशिप और वर्ष 2000 में राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।